Subject :- Sociology Date :- 19/05/2020
Class :- D-I (H) Sixth Paper :- 1st & Subsidiary
Topic :- सामाजिक संरचना तथा इसकी विशेषता
By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher Marwari College, Darbhanga

सामाजिक संरचना

Online Study Material No :- (82)

समाजशास्त्र में दो आधारभूत अवधारणायें-सामाजिक संरचना तथा सामाजिक व्यवस्था है। साधारण शब्दों में यह कहा जा सकता है कि सामाजिक संरचना समाज के ढाँचे का सूचक है। समाज के विभिन्न अंग होते हैं, वे विभिन्न अंग व्यवस्थित ढंग से संयुक्त होकर एक ढाँचे की रचना करते हैं, इसी को सामाजिक संरचना कहते हैं। सामाजिक संरचना से समाज की बाहरी रूपरेखा का बोध होता है।

समाजशास्त्र के विभिन्न विद्वानों ने सामाजिक संरचना को अपने-अपने ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया है। कुछ प्रमुख विद्वानों द्वारा दी गयी परिभाषाएँ निम्नांकित हैं :-

Karl Mannheim (कार्ल मैनहीम) के शब्दों में, "सामाजिक संरचना अन्त: क्रियात्मक सामाजिक शक्तियों का जाल है, जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के निरीक्षणों तथा चिन्तन की विभिन्न पद्धतियों का विकास हुआ है।"

Parsons (पार्सन्स) के अनुसार, "सामाजिक संरचना परस्पर सम्बन्धित संस्थाओं, एजेन्सियों और सामाजिक प्रतिमानों तथा साथ ही समूह में प्रत्येक सदस्य द्वारा ग्रहण किये गये पदों तथा कार्यों की विशिष्ट क्रमबद्धता को कहते हैं।"

H. M. Johnson (एच० एम० जॉनसन) के अनुसार, "किसी भी वस्तु की संरचना उसके अंगों में पाए जाने वाले अपेक्षाकृत स्थायी, अन्त: सम्बन्धों को कहते हैं, साथ ही अन्य शब्दों में कुछ न कुछ स्थिरता की भावना का समावेश होता है। चूँकि समाज की व्यवस्था व्यक्तियों की इस परस्पर सम्बन्धित क्रियाओं से बनती है। अत: इसकी संरचना को इन क्रियाओं में पायी जाने वाली नियमितता की मात्रा या पुनरुत्पत्ति में खोजना चाहिए।

M. Ginsberg (एम० गिन्सबर्ग) के अनुसार, "सामाजिक संरचना का अध्ययन सामाजिक संगठन के प्रमुख स्वरूपों अर्थात् समूहों, समितियों तथा संस्थाओं के प्रकार एवं इन सबके संकुल, जिनसे कि समाज का निर्माण होता है, सम्बन्धित है। ..... सामाजिक संरचना के एक पूर्णांग विवरण के अन्तर्गत तुलनात्मक संस्थाओं के सम्पूर्ण क्षेत्र के विश्लेषण का समावेश होगा।"

MacIver & Page (मैकाइवर तथा पेज) के अनुसार, "समूह निर्माण के विभिन्न तरीके संयुक्त रूप से सामाजिक संरचना के जटिल प्रति-

Scanned with CamScanner

मान का निर्माण करते हैं। .... सामाजिक संरचना के विश्लेषण के सामाजिक प्राणियों की विविध प्रकार की मनोवृत्तियों तथा रुचियों के कार्य प्रकट होते हैं।"

उपरोक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से सामाजिक संरचना की निम्नांकित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं :-

1. सामाजिक संरचना सामाजिक संगठनों, संस्थाओं एवं समूहों का समग्र रूप है।
2. सामाजिक संरचना में सामाजिक सम्बन्धों का महत्वपूर्ण स्थान होता है।
3. सामाजिक संरचना के निर्माणक अंगों की अपनी पूर्व निश्चित स्थिति होती है।
4. सामाजिक संरचना के घटक अंग सामाजिक संस्थाएँ, अभिकरण आदि हैं।
5. सामाजिक संरचना समाज के अन्तः सम्बन्धों का ताना-बाना है।
6. सामाजिक संरचना समाज के बाहरी स्वरूप से सम्बन्धित होता है।
7. सामाजिक संरचना में स्थानीय स्थितियों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

S. N. Choudhary
Marwari College
L. N. M. U

Scanned with CamScanner